मत्ती ईसोपदेश 18 : 19 - 20

यीशु ने अपने अनुयायियों से कहा "मैं सर्वाधिक सत्यनिष्ठा से कहता हूँ : अगर इस पृथ्वी पर आप दोनों कुछ भी मांगने के लिए सहमत हैं, तो मेरे पिता द्वारा जो स्वर्ग में हैं प्रदान कर दी जाएंगी। जहाँ भी दो या तीन लोग मेरे नाम पर एकत्र होते हैं वहाँ मैं उनके साथ हो जाउंगा।"

एक दोपहर लगभग 3 बजे, पतरस और यूहन्ना प्रार्थना के लिए मन्दिर गए। एक भिखारी ने पैसे मांगे। वह जन्म से ही लंगड़ा था।।
पतरस ने उससे कहा "मेरे पास चांदी या सोना नहीं है लेकिन मैं तुम्हें कुछ देना चाहता हूँ :
ईसा मसीह नासरी के नाम पर, उठ जा और चल!"

पतरस ने उसके हाथ को पकड़ा और उसे खड़े होने में उसकी सहायता की तुंरत ही उसके पैर और टखनों में शक्ति आ गई और वह चल सका। वह इतना खुश हुआ कि चारो तरफ कूदने लगा। वह मंदिर में गया, और परमेश्वर की स्तुति की। (प्रेरितों के काम : 3)